10. क्रिया

संसार में प्रतिपल कुछ-न-कुछ होता या घटता ही रहता है। हमारे आसपास भी प्रत्येक व्यक्ति कुछ-न-कुछ कार्य करता ही नज़र आता है। यही काम का करना, होना या कुछ घटित होना ही व्याकरण की भाषा में क्रिया कहलाता है।

- शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को बताएँ कि प्रत्येक कार्य किया जाता है। यही कार्य करना क्रिया कहलाता है।
- बच्चों को समझाएँ, केवल हम मानव ही नहीं पशु-पक्षी, पेड़-पौधे सभी कार्य करते हैं। जैसे– घड़ी चल रही है यानि घड़ी समय दिखा रही है। इसका अर्थ है कि घड़ी समय दिखाने का कार्य कर रही है। घड़ी निर्जीव वस्तु है परंतु उसके द्वारा भी कुछ कार्य हो रहा है। इसी प्रकार, पंखा चल रहा है। आदि।
- बच्चों को काम वाले शब्दों से परिचित करवाएँ, जैसे– खाना, पीना, चलना, उठना, बैठना, हँसना, रोना, सोना, जागना आदि।
- बच्चों की रोचकता और ध्यान बनाए रखने के लिए उनसे जुड़ी हुई बातें पूछें, जैसे– वे घर पर क्या-क्या काम करते हैं। आदि।
- पाठ पृष्ठ पर दिए चित्रों के बारे में बातचीत करते हुए काम का करना समझाएँ।
- क्रिया को रोज़मर्रा की गतिविधियों से जोड़कर या उनके उदाहरण देकर सबसे सरलता से सिखाया-समझाया जा सकता है।
- पाठ अभ्यास करवाते समय प्रत्येक बच्चे पर ध्यान दें। यदि बच्चे को अभ्यास करने में मुश्किल आए तो उन्हें समझाते हुए अभ्यास करवाएँ।